आई टी एल पब्लिक स्कूल
एस ए 1 (2015-16)
हिन्दी उत्तर पत्रक (सेट ए)

तिथि ः18-9-15 कक्षा सातवीं
समय ः3 घंटा पूर्णांक ः 90

आवश्यक निर्देश—

आवश्यक निर्देश: पठन भाग क के अंतर्गत वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए 0.5 अंक काटे जाएँगे तथा उत्तर अपूर्ण होने पर भी 0.5 अंक काटे जाएँगे।

भाषा भाग ख में वर्तनी या वाक्य रचना संबंधी गलती होने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

साहित्य भाग ग में वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए प्रत्येक पाँच अशुद्धियों के लिए 1 अंक काटा जाए।

लेखन भाग घ में उत्तर की गुणवत्ता,रचनात्मकता,लेखन क्षमता तथा सभी आवश्यक विंदुओं के समावेश के आधार पर समग्र रूप से जाँचकर अंक दिए जाएँगे।

खंड-क (पढ़ना)

प्रश्न1 **दिए गए गद्यांश व पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें ः**

मनुष्य का जीवन संघर्षो से भरा है। यदि जीवन में संघर्ष और असफलता न हो, तो सफलता के आनंद की सच्ची अनुभूति भी नहीं हो सकती। पराजय होने पर भाग्य को दोषी ठहराना, पतन की ओर ले जाताहै।यदि सच्ची लगन हो और असफलता के कारणों को ढूँढ कर नए उत्साह के साथ ईमानदारी से प्रयास जारी रखें, तो सफलता मिलना निश्चित है। कहा जाता है कि दृढ इच्छाशक्ति वाला मनुष्य कभी असफल नहीं होता। निरंतर संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही पूरी तरह निखरता है और अंत में विजय प्राप्त करने में सफल होता है। दूसरी ओर मन से हार जाने वाला व्यक्ति आरंभ से ही गलत तर्क गढने लग जाता है और आलसी बनकर अपने भाग्य और जीवन को कोसता रहता है।

क) यदि जीवन में असफलता व संघर्ष न हो तो क्या होगा? 1

उत्तर- यदि जीवन में संघर्ष और असफलता न हो, तो सफलता के आनंद की सच्ची अनुभूति भी नहीं हो सकती।

ख) सच्ची लगन से कार्य करने पर क्या होता है? 1

उत्तर- यदि सच्ची लगन हो और असफलता के कारणों को ढूढ कर नए उत्साह के साथ ईमानदारी से प्रयास जारी रखें, तो सफलता मिलना निश्चित है।

ग) कैसा व्यक्ति कभी असफल नहीं होता है और अंत में वह क्या प्राप्त करता है? 2

उत्तर- दृढ इच्छाशक्ति वाला मनुष्य कभी असफल नहीं होता। निरंतर संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही पूरी तरह निखरता है और अंत में विजय प्राप्त करने में सफल होता है।

घ) मन से हारने वाला व्यक्ति क्या करता है? 1

उत्तर- मन से हार जाने वाला व्यक्ति आरंभ से ही गलत तर्क गढने लग जाता है और आलसी बनकर अपने भाग्य और जीवन को कोसता रहता है।

ङ) गदयांश के अनुसार पतन की ओर कौन ले जाता है? 1

उत्तर- पराजय होने पर भाग्य को दोषी ठहराना, पतन की ओर ले जाताहै।

च) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखें। 1

उत्तर- जीवन एक संघर्ष ,जय और पराजय ।

छ) दो उपसर्ग युक्त शब्द लिखें।

उत्तर– असफलता ,पराजय , विजय ,असफल 2

ज) **पर्यायवाची शब्द लिखें ः हार, शुरू, प्रसन्न।**

उत्तर– असफल, आरंभ ,आनंद। 3

प्रश्न2 सुमन! तरू के वृंत पर तुम
मुसकरा लो और दो दिन
झूम लो हंस लो, प्रणय के
गीत गा लो और दो दिन।

आज तुमको देख कर
है नाच उठती मुग्ध डाली
लहलहाती है लता सी
अति लज्जित लावण्य लाली

किंतु मत अभिमान करना
खेल है यह दो दिवस का
गूंथ देगा क्या पता
किस हार में कल क्रूर माली।

क) तरू के वृंत पर कौन मुस्कुरा रहा है?

उत्तर– फूल मुस्कुरा रहा है। 1

ख) कवि फूल से क्या करने को कह रहा है?

उत्तर– दो दिन और मुस्कुरा लो,हँस लो झूम लो। 1

ग) फूल को देखकर कौन मुग्ध हो रहा है?

उत्तर– हर डाली खुश हो रही है। 1

घ) कवि अभिमान न करने की सलाह क्यों दे रहा है?

उत्तर– क्योंकि दो दिन खुश रहने के बाद ना जाने कब माली उसे तोड़कर माला में गूँथ देगा। 2

ङ) 'दिन' और 'पेड़' का पर्यायवाची कविता में से लिखें?

उत्तर– दिवस तरू 2

च) काव्यांश का उचित शीर्षक लिखें?

उत्तर– सुमन का जीवन 1

खंड–ख (भाषा)

प्रश्न3 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें**

क) **'भर'** उपसर्ग से दो शब्द बनाएँ । 1

ख) **'मूरख'** और **'जीभ'** शब्द का तत्सम रूप लिखें। 1

ग) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताएँ – 2

1– वर्षा होने लगी।

2– रोहन ने अतिथि को माला पहनाई।

प्रश्न4 **'अनीय'** प्रत्यय जोड़कर दो नवीन शब्द बनाएँ। 2

प्रश्न5 वाक्य शुद्ध करके पुनः लिखें– **कृपया मेरी सहायता करने की कृपा करें।** 1

प्रश्न6 निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरा भरें– 2

1-अचानक बिजली के आते ही मंदिर की सुंदरता में ....गए।

2- **'खाक में मिलाना'** मुहावरे से वाक्य बनाएँ।

उत्तर-क) भरपेट ,भरपूर ,भरमार ।

ख) मूर्ख ,जिह्वा।

ग)1-अकर्मक, 2-सकर्मक

प्रश्न4 स्मरणीय ,सम्मानीय ,आदरणीय ,पूजनीय।

प्रश्न5 कृपया मेरी सहायता करें। मेरी सहायता करने की कृपा करें।

प्रश्न7 नामधातु क्रिया किसे कहते हैं?उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें। 2

2

प्रश्न8 बिशेषण पहचानें व भेद भी लिखें-

क) कक्षा में तीस छात्र हैं।

ख)मेहनती व्यक्ति ही सफल होते हैं। 1

प्रश्न9 दो योगरूढ़ शब्द लिखें। 2

प्रश्न10 **उचित स्थान पर विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखें-**

हानि लाभ जीवन मरण यह सब विधाता के हाथ है

प्रश्न 7 संज्ञा ,सर्वनाम व विशेषण से बनी कियाएँ नामधातु कहलाती हैं जैसे जमींदार ने मज़दूरों के खेत हथिया लिए।

प्रश्न 11 8 क) निश्चित संख्यावाचक- तीस

ख) गुणवाचक-मेहनती

9)नीलकंठ,जलज ,दसानन।

10) हानि -लाभ, जीवन- मरण यह सब विधाता के हाथ है।

खंड-ग (साहित्य)

निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

यों तो एनीमिया बहुत कारणों से हो सकता है,किंतु हमारे देश में इसका सबसे बड़ा कारण पौष्टिक आहार की कमी है। इसके अलावा इस रोग का एक बड़ा कारण है पेट के कीड़ों का हो जाना। ये कीड़े प्रायः दूषित जल और खाद्य पदार्थो द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अतः इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफ़ाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ पानी ही पिएँ।

1- एनीमिया का सबसे बड़ा कारण क्या है ?

2- पेट में कीड़े कैसे हो जाते हैं?

3- इनसे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

4- यह पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं।

उत्तर

1- पौष्टिक आहार की कमी,पेट में कीड़ों का होना। 2

2- ये कीड़े प्रायः दूषित जल और खाद्य पदार्थो द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। 1

3-इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफ़ाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ पानी ही पिएँ। 1 1

4-रक्त और हमारा शरीर

प्रश्न 12 हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किनकी प्रशंसा की है ?

प्रश्न 13 खून को 'भानुमती का पिटारा' क्यों कहा गया है?

प्रश्न14 खिलौने वाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

प्रश्न 15 लेखक को अपनी दादीमाँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है ?

प्रश्न 16 मिठाई वाले में वे कौन से गुण थे कि बच्चों के साथ बड़े भी खिंचे चले आते थे?

उत्तर-

12- बरफ जली नंगी पहाड़ियाँ,पौधो से भरी घाटियाँ, देवदार सरो चिनार के वृक्ष,बंधुर अधित्यकाएँ, सरसब्ज उपत्यकाओं का वर्णन किया है। **10**

13-रक्त के दो भाग एक भाग तरल जिसे हम प्लाज्मा कहते हैं दूसरा जिसमें कई छोटे बड़े कण होते है कुछ लाल कुछ सफेद कुछ रंग हीन जिसे हम बिंबाणु कहते हैं इसलिए खुन को भानुमती का पिटारा कहा है।

14- बच्चों का खुश होना, तोतली भाषा में दाम पूछना,नन्हीं नन्हीं उँगालियों से खिलौने छूना व पसंद करना और खरीदना ।

15- बरसात के पानी में नहाना ,आषाढ में आम जामुन खाना, अगहन में चिउड़ा गुड़ खाना,लाई व पट्‌टी खाना और बिमार होना आदि।

16- बच्चों तथा बड़ों से स्नेह से बात करना,कम पैसे में भी बच्चों की ज़िद पूरी करना,आवाज़ में मधुरता और लोगों को आकर्षित करने की शक्ति थी।

प्रश्न 17 **निम्नलिखित दोहे की पंक्तियाँ पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-**

थोथे बादर क्वार के ,ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरूष निर्धन भए, करे पाछिली बात।

क- क्वार के बादल कैसे हैं?
ख-धनी पुरूष निर्धन होने पर कौन-सी बात करते हैं?
ग- पाठ का नाम लिखें।

उत्तर- क) क्वार के बादल केवल गरजते हैं उनमें जल बरसाने की क्षमता नहीं है। **1**
ख) पिछले समय की बात करते हैं जब वे धनवान थे। **2**
ग) रहीम के दोहे **1**

पक्षी स्वतंत्र रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे ?

प्रश्न 18 **विप्लव गायन** कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखें।

प्रश्न19 सच्चे मित्र की क्या पहचान होती है ?

प्रश्न 20 पक्षी को पिंजरे में कौन-कौन सी सुविधाएँ प्राप्त थीं?

प्रश्न 21 हिमालय की बेटियाँ पाठ में आई किन्हीं चार नदियों के नाम लिखें ।

प्रश्न 22

उत्तर

18- खुले आसमान में उड़ना, कड़वी निबौरी खाना, बहता जल पीना और तरू की फुनगी पर झूलना । **2**

19- आलस्य का त्याग कर आगे बढने का संदेश ,जड़ता का विरोध कर गतिशीलता को वढावा देती है। 1 1

20- जो हर मुसीबत में अपने मित्र का साथ दे। धन दौलत का लालच न करे। 1

21- सोने का बना पिंजरा, सोने की कटोरी में मैदा ,बिना डर का जीवन । 1

22- गंगा ,सिंधु ,कावेरी ,सतलज ,सरयू ,गंडक ,कोसी।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखें-

प्रश्न 23 देवव्रत कौन थे ? उनका नाम भीष्म कैसे पड़ा?

प्रश्न24 एकलव्य किस प्रकार कुशल धनुर्धर बन गया ?

प्रश्न 25 द्रौपदी के स्वयंवर की घटना का वर्णन करें।

उत्तर-23- देवव्रत गंगा और राजा शांतनु के पुत्र थे अपने पिता की इच्छा को पूर्ण करने के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य रहने की प्रतिज्ञा के कारण। 2.5 ×2 =5

24- द्रोणाचार्य के मना करने पर उनकी मिट्टी की प्रतिमा बनाकर प्रतिदिन अभ्यास करने से।

25- राज द्रुपद ने अपनी पुत्री के स्वयंवर में शर्त रखी कि जो ऊपर नाचती मछली की परछाई तेल में देखकर उसकी आँख पर निशाना लगाएगा द्रौपदी उसी से विवाह करेगी। अर्जुन ने स्वयंवर में विजय प्राप्त कर उससे विवाह किया।

लेखन विद्यार्थी अपनी क्षमतानुसार करेंगे।

भूमिका-1 5

भाव व विषयवस्तु-2

प्रस्तुतिकरण-2

खंड-घ (लेखन)

प्रश्न 26 **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें-**

1- दिन-प्रतिदिन बढ़ता प्रदूषण- हमारा पर्यावरण, प्रदूषण के कारण,प्रदूषण के प्रकार,उसका दुष्प्रभाव , समस्या के लिए समाधान और सुझाव । 5

2- किसी मनपसंद धार्मिक त्योहार का वर्णन- त्योहार का नाम , पसंद आने का कारण,मनाने का तरीका, सजावट , खाना-पीना व त्योहार से मिलने वाला संदेश।

प्रश्न 27 लंबी बिमारी के कारण आप अपनी हिंदी की परीक्षा नहीं दे पाए हैं पुनः परीक्षा लेने की अनुमति के लिए प्रधानाचार्या जी को प्रार्थना-पत्र लिखें।

अथवा

आपके मित्र की बड़ी बहन की स्वरचित कविता एक पत्रिका में छपी हुई है उसकी कविता की प्रशंसा करते हुए अपने मित्र (श्याम व शीला)को पत्र लिखें।

प्रश्न28 **'डायमंड कंपनी'** की घड़ी के लिए रंगीन ,आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। 5

प्रश्न 29 माता-पिता के आदर के बारे में दो सहेलियों की बातचीत को संवाद रूप में लिखें। 5

प्रश्न 30 **चित्र देखकर लगभग 30 -40 शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए-** 5

आई टी एल पब्लिक स्कूल
एस ए 1 (2015-16)
हिन्दी (सेट बी)

तिथि ः18-9-15 कक्षा सातवीं
समय ः3 घंटा पूर्णांक ः 90

आवश्यक निर्देश—

पठन भाग क के अंतर्गत वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए 0.5 अंक काटे जाएँगे तथा उत्तर अपूर्ण होने पर भी 0.5 अंक काटे जाएँगे।
भाषा भाग ख में वर्तनी या वाक्य रचना संबंधी गलती होने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।
साहित्य भाग ग में वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए प्रत्येक पाँच अशुद्धियों के लिए 1 अंक काटा जाए।
लेखन भाग घ में उत्तर की गुणवत्ता,रचनात्मकता,लेखन क्षमता तथा सभी आवश्यक बिंदुओं के समावेश के आधार पर समग्र रूप से जाँचकर अंक दिए जाएँगे।

खंड-क (पढ़ना)

प्रश्न1 **दिए गए गद्यांश व पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें ः**

स्वामी रामतीर्थ के मन में देश की परतंत्रता के प्रति गहरे दुख का भाव था। अपने जापान और अमेरिका प्रवास के दौरान उन्होंने इस सच्चाई को गहरे रूप से अनुभव किया कि केवल स्वतंत्र देश ही समुचित रूप से प्रगति कर सकता है। स्वामी रामतीर्थ अनेक भाषाओं के जानकार थे। कई भाषाओं को जानने का सबसे बड़ा लाभ उन्हें यह हुआ कि वह अपनी बात लोगों को समझ आने वाली भाषा में कह पाते थे। उनकी भाषा भी बहुत सरल, सहज और प्रवाहयुक्त होती थी। वेदांत जैसे विषय को सरल भाषा में समझाने को मैं उनका बहुत बड़ा योगदान समझता हूँ। उन्होने विदेश में अपना पहला भाषण हांगकांग में दिया था। अपनी विदेश यात्राओं के दौरान अपने ज्ञान और व्यक्तित्व द्वारा उन्होंने लोगों का मन मोह लिया और वहाँ भारत की गरिमा को स्थापित किया।

क) स्वामी रामतीर्थ के मन में देश की परतंत्रता के प्रति कैसा भाव था?

उत्तर– स्वामी रामतीर्थ के मन में देश की परतंत्रता के प्रति गहरे दुख का भाव था।

ख) अमेरिका प्रवास के दौरान उन्होंने किस सच्चाई का अनुभव किया? 1

उत्तर– अमेरिका प्रवास के दौरान उन्होंने इस सच्चाई को गहरे रूप से अनुभव किया कि 1
केवल स्वतंत्र देश ही समुचित रूप से प्रगति कर सकता है। 2

ग) स्वामीजी किसके जानकार थे? इसका क्या लाभ हुआ? 1

उत्तर– स्वामी रामतीर्थ अनेक भाषाओं के जानकार थे। 1

घ) स्वामीजी की भाषा कैसी थी? 1

उत्तर–उनकी भाषा भी बहुत सरल, सहज और प्रवाहयुक्त होती थी। 2

ङ) विदेश में उनका पहला भाषण कहाँ हुआ था? 1

उत्तर–उन्होने विदेश में अपना पहला भाषण हांगकांग में दिया था। 2

च) स्वामीजी ने लोगों का मन कैसे मोह लिया?

उत्तर– अपनी विदेश यात्राओं के दौरान अपने ज्ञान और व्यक्तित्व द्वारा उन्होंने लोगों का मन मोह लिया और वहाँ भारत की गरिमा को स्थापित किया।

छ) परतंत्र, कठिन का विलोम गद्यांश में से ढूँढकर लिखें।

उत्तर- स्वतंत्र और सरल

ज) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

उत्तर- स्वामी रामतीर्थ जी का जीवन

झ) 'उन्नति' और 'फायदा' का समानार्थक गद्यांश में से चुनकर लिखें।

उत्तर- प्रगति और लाभ

प्रश्न2

तूफानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार,
आज, सिंधु ने विष उगला है ,
लहरों का यौवन मचला है।
आज हृदय में और सिंधु में,
साथ उठा है ज्वार।
तूफानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।
लहरों के स्वर में कुछ बोले ,
कभी कभी मिलता जीवन में
तूफानों का प्यार।
तूफानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार।
यह असीम निज सीमा जाने ,
सागर को भी यह पहचाने।
मिट्टी के पुतले मानव ने,
कभी न मानी हार।

क) कवि नाविक से क्या कह रहा है?

उत्तर- नाव को तूफान की दिशा की ओर ले जाने को कह रहा है। 1

ख) किसने विष उगला है? 1

उत्तर- सिंधु ने विष उगला है। 1

ग) सिंधु में क्या उठा है? 1

उत्तर- सिंधु में ज्वार उठ रहा है । 1

घ) लहरों के स्वर में कभी -कभी क्या मिलता है? 1

उत्तर- जीवन का प्यार मिलता है। 2

ङ) मिट्टी का पुतला कौन है?

उत्तर- मानव

च) किसने हार नहीं मानी?

उत्तर- मानव ने कभी हार नहीं मानी ।

झ) 'समुद्र' के दो पर्यायवाची कविता में से ढूँढ़ कर लिखें।

उत्तर- सिंधु और सागर

खंड-ख (भाषा)

प्रश्न3 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें**

क) **'अप'** उपसर्ग से दो शब्द बनाएँ । 1

ख) **'कुआँ'** और **'घर'** शब्द का तत्सम रूप लिखें। 1

ग) रचना के आधार पर क्रिया के भेद बताएँ - 2

1- संजना माली से पौधे लगवाती है।

2- अनिल सड़क पर गिर पड़ा।

प्रश्न4 **'अक'** प्रत्यय जोड़कर दो नवीन शब्द बनाएँ। 1

प्रश्न5 वाक्य शुद्ध करके पुनः लिखें- **महादेवी वर्मा एक सफल कवि थीं।** 1

प्रश्न6 निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरा भरें- 2

1-जवान बेटे की मौत से किशन की ....गई।

2- **' ईद का चाँद होना'** मुहावरे से वाक्य बनाएँ।

उत्तर-क- अपमान , अपयश ।

ख- कूप और गृह

ग- प्रेरणार्थक , संयुक्त क्रिया।

4- पाठक ,धावक गायक ,नर्तक।

5- महादेवी वर्मा एक सफल कवयित्री थीं।

6-कमर टूट गई । नौकरी मिलते ही रमन ईद का चाँद हो गया।

प्रश्न7 पूर्वकालिक क्रिया किसे कहते हैं?उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें। 2

2

प्रश्न8 विशेषण पहचानें व भेद भी लिखें-

क) आलोक योग्य छात्र है।

ख)बाहर कोई सज्जन आए हैं।

1

प्रश्न9 दो रूढ़ शब्द लिखें।

प्रश्न10 **उचित स्थान पर विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखें-** 2

राम रहीम गोविंद और उनके माता पिता सरकस देखने गए

उत्तर- 7- दो क्रियाएँ एक साथ होने पर पहले संपन्न होने वाली क्रिया को पूर्वकालिक कहते है जैसे - नीता ने दौड़कर बस पकड़ी।

8- योग्य -गुणवाचक, कोई -सार्वनामिक

9- रोटी ,पैसा।

10- राम ,रहीम ,गोविंद और उनके माता-पिता सरकस देखने गए ।

खंड-ग (साहित्य)

1

प्रश्न 11 निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें- 2

अभी तक मैंने उन्हें दूर से देखा था।बड़ी,गंभीर शांत अपने आप में खोई हुई लगती थीं।संभ्रांत महिला की भाँति वे प्रतीत होती थीं।उनके प्रति मेरे दिल में आदर और श्रद्धा के भाव थे। माँ और दादी ,मौसी और मामी की गोद की तरह उनकी धारा में डुबकियाँ लगाया करता।परंतु जब इस बार मैं हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो वे कुछ और रूप में सामने थीं।

1
1

1- इन पंक्तियों में लेखक किसकी बात कर रहा है ?

2- वे लेखक को किस किस रूप में प्रतीत होती हैं?

3- 'संभ्रांत' शब्द का अर्थ लिखें ।

4- इन पंक्तियों के लेखक का नाम लिखें
उत्तर 1- नदियों की
2- माँ,दादी ,मामी ,मौसी व संभ्रांत महिला की तरह
3- सभ्य व संस्कारी स्त्री
4- लेखक श्री नागार्जुन

प्रश्न 12 मिठाईवाला अलग-अलग चीजें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था 10
प्रश्न 13 रक्त के बहाव को रोकने के लिए क्या-क्या करना चाहिए?
प्रश्न14 दादीमाँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको अच्छा लगा और क्यों?
प्रश्न 15 रक्त के सफेद कणों को 'वीर सिपाही' क्यों कहा जाता है?
प्रश्न 16 काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर-12 बच्चों को अधिक लुभाने के लिए उनके पसंद की अलग-अलगचीजें लाता था नई वस्तुओं को बेचने की तैयारी करने में वह महीनों लगाता था।
13- बहाव के स्थान से थोड़ी दूर पर साफ कपड़े से कसकर बाँधना औरजल्दी से जल्दी चिकित्सक के पास ले जाना।
14-विद्यार्थी मनपसंद का कोई एक पक्ष लिखेंऔर कारण भी दें।
15- सफेद कण बाहर से आने वाले कीटाणुओं से रक्षा करते हैं। 2
16- नदियाँ अमृत के समान जल देती है भोज्य पदार्थ प्रदान करती है माँ के समान 1
पालन पोषण करती हैं । 1

प्रश्न 17 **निम्नलिखित दोहे की पंक्तियाँ पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-** 2

जाल परे जल जात बहि ,तजि मीनन को मोह। 1
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह । 1

1

क- दोहे की प्रथम पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करें । 1
ख- 'नीर'शब्द का अर्थ लिखें।
ग- पाठ के कवि का नाम लिखें।

उत्तर- जाल डालने पर पानी मछली का मोह छोड़कर बह जाता है। परंतु मछली जल के स्नेह के कारण अपने प्राण त्याग देती है
ख- जल
घ- श्री रहीमदास जी

प्रश्न 18 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता का संदेश लिखें। 2.5×2=5
प्रश्न19 **विप्लव गायन** कविता में कवि कौन सी तान सुनाना चाहता है?
प्रश्न 20 धनी पुरूष निर्धन होने पर कौन सी बात करते हैं?
प्रश्न 21 वृक्ष और तालाब परोपकार के लिए क्या-क्या करते हैं?
प्रश्न 22 पिंजरे में बंद होने पर पक्षी का क्या हाल होगा?

उत्तर- 18 कवि पक्षी के माध्यम से स्वतंत्रता के मूल्यवान होती है यह संदेश देता है।
19- कवि परिवर्तन लाने वाली तान सुनना चाहता है जिससे उथल पुथल मच जाए ।

20– पुरानी बातें करते हैं जब वे धनवान थे।

21– वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाता तालाब अपना जल स्वयं नहीं पीते।

22– पक्षी के पंख सोने की तीलियों से टकराकर टूट जाँएगे ,वे भूखे प्यासे रह जाएँगे पर कटोरी का मैदा नहीं खाएँगे।

प्रश्न **23** **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखें–**

प्रश्न**24** देवव्रत कौन थे ? उनका नाम भीष्म कैसे पड़ा?

प्रश्न **25** द्रौपदी के स्वयंवर की घटना का वर्णन करें।

कर्ण सूत–पुत्र क्यों कहलाए ?उनके जन्म की घटना का वर्णन करें।

उत्तर–**23** देवव्रत गंगा और राजा शांतनु के पुत्र थे अपने पिता की इच्छा को पूर्ण करने के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य रहने की प्रतिज्ञा के कारण।

24– राज द्रुपद ने अपनी पुत्री के स्वयंवर में शर्त रखी कि जो ऊपर नाचती मछली की परछाई तेल में देखकर उसकी आँख पर निशाना लगाएगा द्रौपदी उसी से विवाह करेगी।अर्जुन ने स्वयंवर में विजय प्राप्त कर उससे विवाह किया।

25– कर्ण कुंती और सूर्य देव के पुत्र थे ।जन्म के बाद कुंती ने लोकलाज के कारण उन्हें गंगा में बहा दिया था नदी में बहते बहते वे राज धृतराष्ट्र के सारथि को प्राप्त हुए सारथि के घर पालन पोषण होने के कारण वे सूत पुत्र कहलाए।

खंड–घ (लेखन)

प्रश्न **26** **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें–** **5**

1– मँहगाई – एक समस्या – मँहगाई का अर्थ, उसके कारण , गरीबी,बेरोजगारी आदि बुराइयों की जन्मदाता ,सुझाव व समाधान ।

2– दशहरे के मेले का वर्णन– मेले का स्थान , दशहरा मनाने का तरीका, सजावट , खाना–पीना व मौजमस्ती ,रामलीला व उससे मिलने वाला संदेश।

प्रश्न **27** आपने स्कूल के जूनियर छात्र को बस में तंग किया है इस गलती की क्षमा माँगते हुए और अपनी बस की सुविधा को बनाए रखने की प्रार्थना करते हुए कक्षा अध्यापिका जी को प्रार्थना–पत्र लिखें। **5**

अथवा

अपनी बुआ को दिल्ली घुमाने का आग्रह करते हुए अपने घर बुलाते हुए पत्र लिखें।

प्रश्न**28** आपकी कंपनी अचार,मुरब्बे (जैम)तैयार करती है,अपनी कंपनी के लिए लोगों को लुभाने वाले ,आकर्षक, रंगीन विज्ञापन तैयार करें। **5**

प्रश्न **29** पेपर देने के बाद दो मित्रों का संवाद (अगली परीक्षा की तैयारी व प्रश्नपत्र पर)लिखें। **5**

प्रश्न **30** **चित्र देखकर लगभग 30 –40 शब्दों में अपने विचार व्यक्त कीजिए–** **5**